प्रारंभिक (कक्षा–8) शिक्षा पूर्णता प्रमाण–पत्र परीक्षा 2019

विषय – हिंदी

समय – 02:30 घंटे **पूर्णांक – 100**

अनुक्रमांक (अंकों में) ..... (शब्दों में) .....

परीक्षार्थी का नाम ..... शाला का नाम .....

हस्ताक्षर निरीक्षक ..... हस्ताक्षर जाँचकर्त्ता .....

प्राप्तांक (अंकों में) ..... (शब्दों में) .....

निर्देश :–

1. सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्रमांक 1 वस्तुनिष्ठ है। इसके प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्रमांक 2 से 7 तक अति लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्रमांक 8 से 12 लघु उत्तरीय हैं। प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्रमांक 13 एवं 14 भी लघु उत्तरीय/बहुविकल्पीय हैं। प्रत्येक प्रश्न पर (2+2+2+2) अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्रमांक 15 दीर्घ उत्तरीय है तथा इसमें 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. (क) दिये गये विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए– (अंक–10)

1. छत्तीसगढ़ी शब्द 'एक कोरी' का आशय होता है–

(अ) कोरा (ब) बीस (स) सौ (द) बारह

उत्तर – .....

2. कुश्ती लड़ने की जगह को कहते हैं–

(अ) अस्तबल (ब) रंगशाला (स) अखाड़ा (द) गोशाला

उत्तर – .....

3. पानी के सकेलना ल कहिथें–

(अ) जल संग्रहण (ब) मृदा संग्रहण

(स) कचरा संग्रहण (द) बल संग्रहण

उत्तर – .....

4. ब्रजभाषा का केन्द्र मूलतः किस राज्य में है–

(अ) उत्तरप्रदेश (ब) मध्यप्रदेश (स) छत्तीसगढ़ (द) गुजरात

उत्तर – .....

5. 'हेठी' का अर्थ है–

(अ) अपमान (ब) प्रशंसा (स) निंदा (द) चापलूसी

उत्तर – .....

(ख) उचित संबंध जोड़िए– (5×2=10)

खण्ड 'अ'	खण्ड 'ब'	उत्तर
i.आतिथ्य	सूर्य	.....
ii.दिवाकर	रति	.....
iii.चितै–चितै	शिक्षा	.....
iv.श्रृंगार रस	अनुप्रास	.....
v.सिखावन	आत्मकथा	.....

प्रश्न 2. परसराम के सुभाव के बारे में लिखव। (अंक–4)

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 3. नावों को गंगा में डुबा देने का आदेश किसने और क्यों दिया था ? (अंक–4)

उत्तर – .....

.....

.....

.....

प्रश्न 4. भू–जल के भण्डार कम होवत जात है, एखर का कारण हे ? कोनो दू कारण लिखव। (अंक–4)

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 5. तृतीय लिंग समुदाय के किन्हीं चार प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम लिखिए। (अंक–4)

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 6. निम्नांकित शब्दों के दो–दो समानार्थी शब्द लिखिए–(कोई–4) (अंक–4)

उत्तर– 1. पानी – ....

2. मित्र – ....

3. पथ – ....

4. प्रकाश – ....

5. मनुज – ....

6. अवनि – ....

प्रश्न 7. ''मधुर वचन है औषधि, कुटुक वचन है तीर'', का आशय क्या है ? (अंक–4)

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 8. निम्न गद्यांशों की संदर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए– (अंक–6)

ऐसी सामाजिक व्यवस्था का निर्माण करना बहुत जरूरी है, जहाँ तृतीय लिंग समुदाय का प्रत्येक व्यक्ति अपने सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास कर सके। हमारी भारतीय संस्कृति सदैव ही ''सर्वे भवन्तु सुखिनः'' सहनाववतु सहनौ भुनक्तु के आदर्शों पर विकसित हुई है।

अथवा

यदि आपकी वाणी कठोर है, तीखी है, कर्कश है तो उसे सुधारिये, मीठी बनाइए, नहीं तो लोकप्रिय व्यक्तित्व का सपना अधूरा ही रह जाएगा।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 9. निम्नलिखित पद्यांश का संदर्भ, प्रसंग सहित भावार्थ लिखिए– (अंक–6)

आज मनुज को खोज निकालो

जाति, वर्ण संस्कृति, समाज से,

मूल व्यक्ति को फिर से चालो।

देश राष्ट्र के विविध भेद हर,

धर्म–नीतियों में समत्व भर,

रूढ़ि–रीति गत विश्वासों की

अंध–यवनिका आज उठा लो।

अथवा

सखी हम काह करैं कित जायें।

बिनु देखे वह मोहिनी मूरति नैना नाहिं अघाए।

बैठत उठत सयन सोवत निस चलत फिरत सब ठौर।

नैनन तें वह रूप रसीलो टरत न इक पल और।

सुमिरन वही ध्यान उनको ही मुख में उनको नाम।

दूजी और नाहिं गति मेरी बिनु मोहन घनश्याम।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 10. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर दिए गए विकल्पों को उचित स्थान पर भरकर पूर्ण कीजिए– (अंक–6)

(सामर्थ्य, प्रतीक्षा, भूत, फुर्सत, साथी, चलना)

जैसे जीवन पथ पर, वैसे ही साधारण सड़क पर आदमी के लिए अकेले ..... कठिन है। कोई ठहरकर किसी पीछे आने वाले का साथी हो लेता है, कोई चार कदम तेज चलकर आगे जाने वाले का। लेकिन मुझे उस दिन किसी को आवाज देने की भी ..... नहीं थी। किसी ..... की आशामयी ..... में मैं जरा दम लेने के बहाने भी न ठहर सकता था। कारण उस दिन मेरे सिर पर ..... सवार था। मैंने निश्चय किया था अपने चलने के ..... की परीक्षा करने का।

प्रश्न 11. आपका नाम अंकित शर्मा है, आप शास. पू. मा. शाला बेमेतरा में पढ़ते हैं। अपने प्रधान अध्यापक को एक पत्र लिखिए जिसमें विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था करने हेतु निवेदन किया गया हो। (अंक–6)

अथवा

अपने मित्र को पत्र लिखिए जिसमें वार्षिक परीक्षा की तैयारी का विवरण हो।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्रश्न 12. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(अंक–6)

द्वापर युग का शिखंडी नामक पात्र इस समुदाय के लिए एक कालजयी पात्र सिद्ध हुआ है। महाकाव्य महाभारत में शिखंडी का उल्लेख मिलता है। शिखंडी महाराज द्रुपद का पुत्र व द्रोपदी का भाई था जो किन्नर था। उसे कहीं–कहीं सती का अवतार भी कहा गया है। शिखंडी ने अपनी शिक्षा–दीक्षा विधिवत पूरी की थी और इस पात्र ने यह सिद्ध कर दिया कि किन्नर समुदाय के लोग दुनिया के बड़े से बड़े कार्य कर सकते हैं। कहा जाता है कि शिखंडी ने धर्म की रक्षा के लिए

महाभारत का युद्ध लड़ा था। उसकी प्रतिभा को देख श्रीकृष्ण ने उसे महाभारत के युद्ध में सेनापति बनाया था।

प्रश्न–

1. गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। (अंक–3)

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

2. यह गद्यांश महाभारत के किस पात्र को केन्द्रित कर लिखा गया है ? (अंक–1)

उत्तर– .....

3. शिखंडी को श्रीकृष्ण ने महाभारत के युद्ध का सेनापति क्यों बनाया था ? (अंक–2)

उत्तर– .....

.....

.....

.....

प्रश्न 13. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–(कोई चार) (अंक–8)

वाणी तो सभी को मिली हुई है, परन्तु बोलना किसी–किसी को ही आता है। बोलते तो सभी है, किन्तु क्या बोलें, कब बोलें इस कला को बहुत कम लोग जानते

हैं। एक बात से प्रेम झरता है, दूसरी बात से झगड़ा होता है। कड़वी बात ने संसार में न जाने कितने झगड़े पैदा किए हैं। जीभ ने दुनिया में बहुत बड़े–बड़े कहर ढाए है। जीभ होती तो तीन इंच की है, पर वह पूरे छह फीट के आदमी को मार सकती है। संसार के सभी प्राणियों में वाणी का वरदान मात्र मानव को मिला है।

प्रश्न–

1. उपरोक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर– .....

.....

2. निम्नांकित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

(i) कड़वी (ii) वरदान

उत्तर– .....

.....

3. बोलना किसी–किसी को आता है, ऐसा क्यों कहा गया है ?

उत्तर– .....

.....

4. कड़वी बात ने दुनिया में क्या–क्या किया है ?

उत्तर– .....

.....

5. कड़वी और मीठी बात में दो अन्तर बताइए।

उत्तर– .....

.....

6. वाणी को वरदान क्यों कहा गया है ?

उत्तर– .....

.....

प्रश्न 14. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे दिये गये बहुविकल्पीय प्रश्नों में से सही विकल्प को चुनकर लिखिए– (अंक–8)

योग–विज्ञान के आदि पुरूष महर्षि पतंजलि का जन्म–स्थान भोपाल (म. प्र.) से 11 किमी. दूर नरसिंहगढ़ रोड पर स्थित गोंदर मऊ है। पतंजलि ने अपने ग्रंथों में इसे 'गोर्ना' लिखा है। उनका जन्म दो शताब्दी ई. पू. में हुआ था। पतंजलि ने योगशास्त्र की रचना की। उनके द्वारा बताई गई योग क्रियाओं द्वारा शारीरिक संतुलन, आत्मिक अनुशासन और श्वास–साधना द्वारा शरीर को पुष्ट एवं नीरोग बनाया जा सकता है। उनके योग–विज्ञान से भारत ने विश्व के प्रायः सभी देशों को प्रभावित किया है।

महर्षि पतंजलि ने योग–विज्ञान को चार प्रमुख भागों में विभक्त किया है– (1) ज्ञान योग (2) कर्मयोग, (3) राज योग और (4) हठयोग। योग के लिए उन्होंने आठ आधार माने हैं–यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि। उनके अनुसार, चित्त वृत्तियों के विरोध को ही योग कहते हैं। योग द्वारा व्यक्ति अपनी अंतः प्रवृत्तियों को अनुशासित कर जीवन के हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकते हैं। इसीलिए पतंजलि ने, पहले से ऋग्वेद, अथर्ववेद और उपनिषदों में बिखरे हुए योग के सिद्धांतों को दार्शनिक व व्यावहारिक रूप प्रदान किया।

प्रश्न–

1. पतंजलि ने 'गोर्ना' किसे लिखा है–

(अ) अपने उपनाम को (ब) अपने जन्म स्थान को

(स) योग विज्ञान के भागों के (द) वेदों को

उत्तर– .....

2. योग के प्रमुख भागों में से नहीं है–

(अ) ज्ञानयोग (ब) कर्मयोग

(स) भक्तियोग (द) हठयोग

उत्तर– .....

3. श्वास पर विशेष रूप से नियंत्रण किया जाता है–

(अ) आसन में (ब) प्राणायाम में

(स) दौड़ में (द) खेल में

उत्तर– .....

4. व्यक्ति पुष्ट व निरोगी रहता है–

(अ) प्रतिदिन योग अभ्यास करने से (ब) प्रतिदिन फलाहार करने से

(स) प्रतिदिन उपवास करने से (द) प्रतिदिन इलाज करवाने से

उत्तर– .....

अथवा

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

साहित्योन्नति के साधनों में पुस्तकालयों का स्थान अत्यन्त महत्वपूर्ण है। पुस्तकालय सभ्यता के इतिहास का जीता–जागता गवाह है। इनके द्वारा साहित्य के जीवन की रक्षा, पुष्टि और अभिवृद्धि होती है। पहले मंदिरों, मठों और राजाओं के यहाँ पुस्तकों का संग्रहण होता था। इसके अलावा विद्वान लोगों के अपने निजी पुस्तकालय होते थे। छपाई के इतिहास के पहले पुस्तकों का संग्रहण आजकल की तरह सरल बात न थी। आजकल एक साधारण पुस्तकालय में जितनी संपत्ति लगती है उतनी उन दिनों एक–एक पुस्तक को तैयार करने में लग जाती थी। भारत के पुस्तकालय संसार भर में अपना सानी नहीं रखते थे। चीन, फारस आदि सुदूर स्थित देशों के विद्यानुरागी लंबी यात्रा करके भारत में इन पुस्तकालयों का लाभ उठाने आया करते थे।

प्रश्न–

1. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

उत्तर– .....

.....

2. पुस्तकालय का स्थान महत्वपूर्ण क्यों है ?

उत्तर– .....

.....

3. पुस्तकालय से साहित्य को क्या लाभ है ?

उत्तर– .....

.....

4. पुस्तकों का संग्रहण पहले सरल बात क्यों नहीं थी ?

उत्तर– .....

.....

5. भारत के पुस्तकालयों की संसार में क्या स्थिति थी, भारत में किन देशों के लोग पुस्तकालय का लाभ लेने आते थे ?

उत्तर– .....

.....

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 150 से 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए– (अंक–10)

1. मेरे प्रिय शिक्षक
2. विज्ञान और हम

3. वृक्षों की उपयोगिता

4. देखा हुआ मेला

5. अनुशासन का महत्व

अथवा

नीचे दिए गए चित्र के आधार पर 10 वाक्य का लेख/कहानी/निबन्ध लिखिए।

उत्तर– .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....